



श्री यमुना जी को नाम ले सोई सुभागी । इनके स्वरूप को सदा
चिन्तन करतम कल न परत जाय नेह लागी ॥ १ ॥

पुष्टि मारग धरम अति दुर्लभ करम छोड सगरे परम प्रेम पागी।
श्री विट्ठल गिरिधरन ऐसी निधि, भक्त को देत है बिना माँगी .











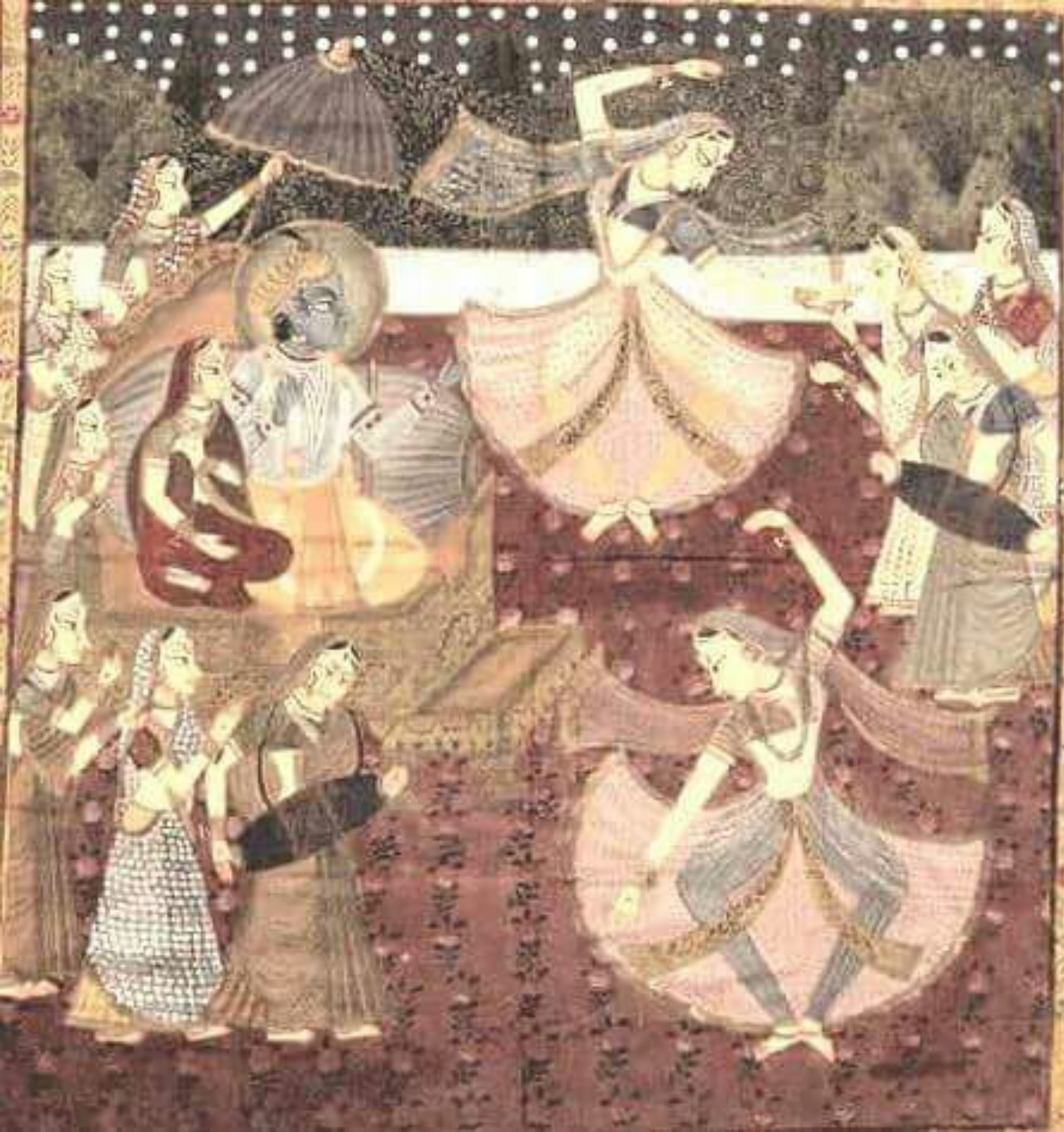






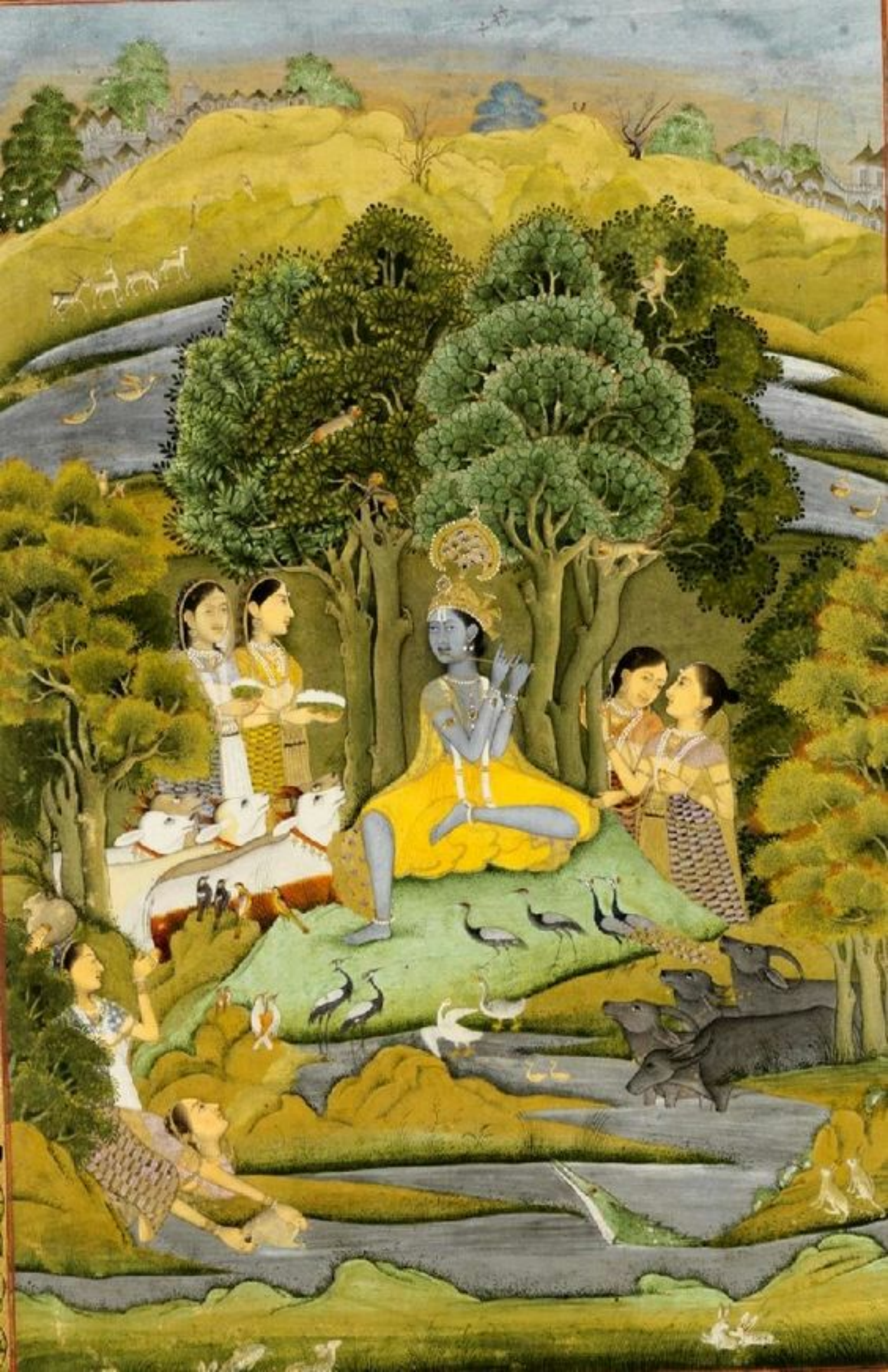






















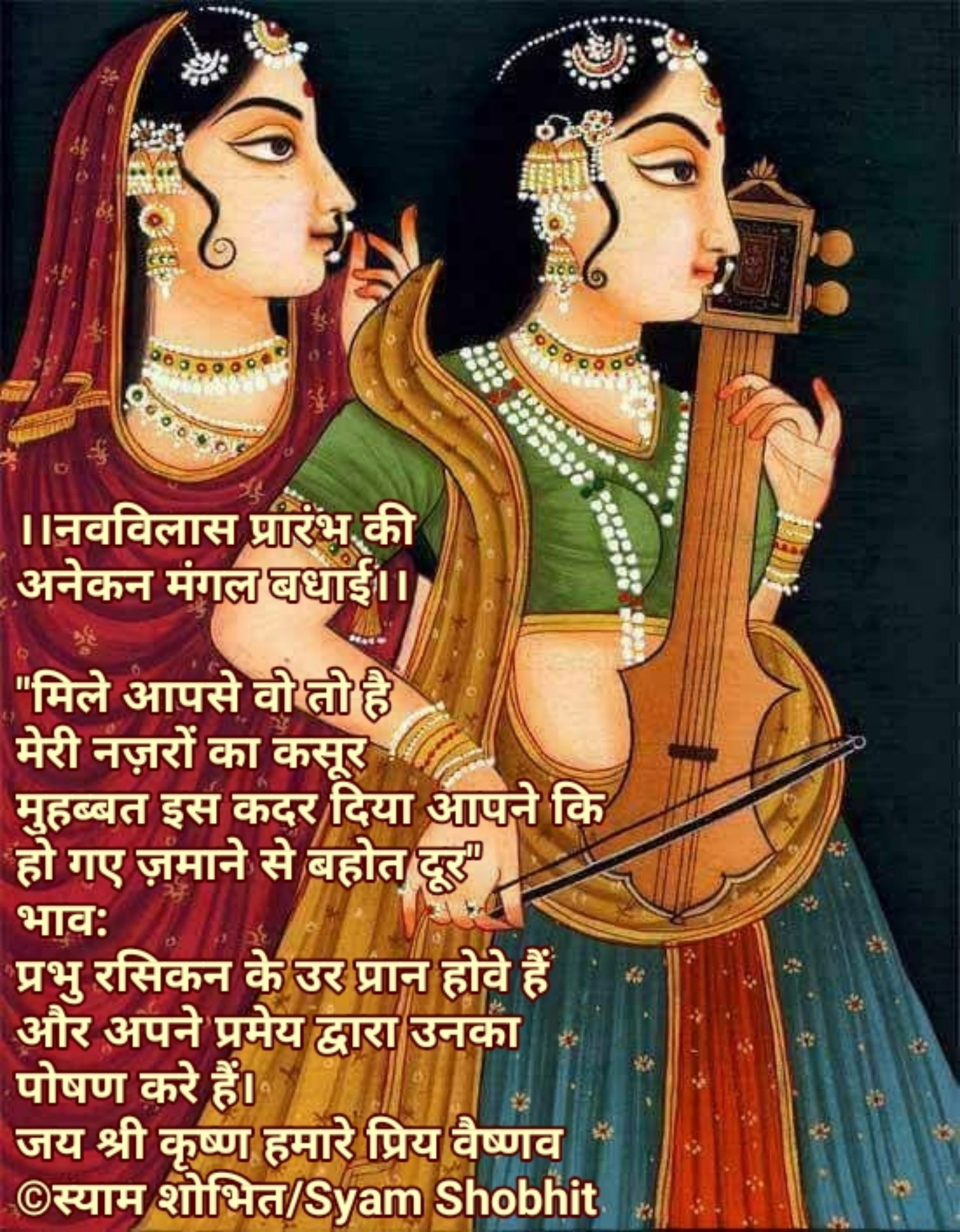








સ્ટુડીયો રિધમ અને પારેખ પરિવાર
દ્વારા
આપ સર્વે ને નવલા નોરતાની
હાર્દિક શુભકામના



॥नवविलास प्रारंभ की
अनेकन मंगल बधाई॥

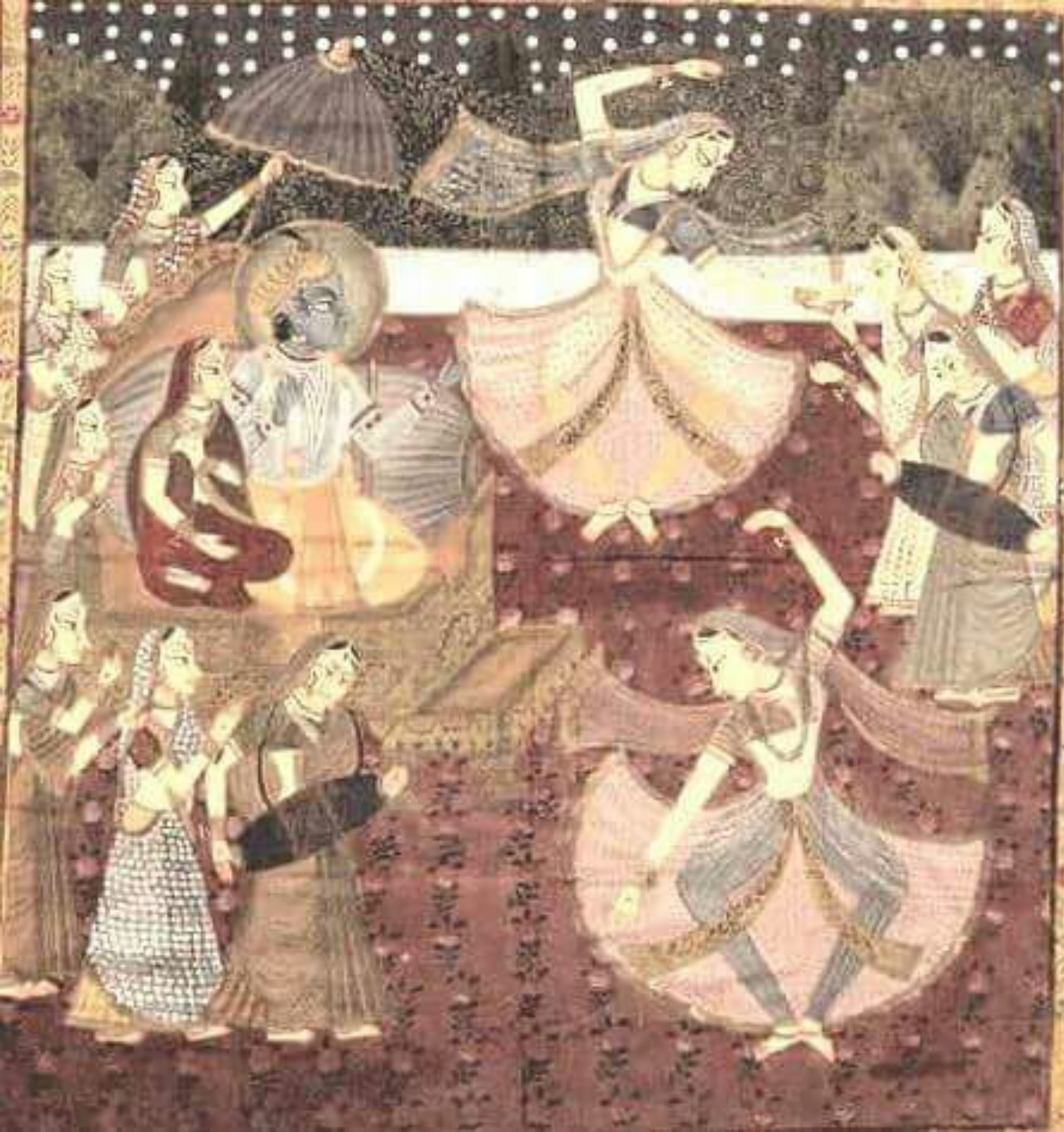
"मिले आपसे वो तो है
मेरी नज़रों का कसूर
मुहब्बत इस कदर दिया आपने कि
हो गए ज़माने से बहोत दूर"

भाव:

प्रभु रसिकन के उर प्रान होवे हैं
और अपने प्रमेय द्वारा उनका
पोषण करे हैं।

जय श्री कृष्ण हमारे प्रिय वैष्णव

©स्याम शोभित/Syam Shobhit





कल्याणी रत्न पुस्तक-विक्रय
(श्रीधामकल्याण से प्रकाशित १३/१०/५४/१८८)





नव विलास प्रारम्भ की मंगल बधाई







Jai shreenathji bavani

जय श्री कृष्ण

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

जय श्री वल्लभ

श्री कृष्णः शरणम् मम

शुभ प्रभात







jai shri krishna









सौरभ शाह

नवविलास प्रारम्भ की बधाई

